

**परिसर्या स्त्री.** (तत्.) 1. टहलना, भ्रमण करना, पर्यटन 2. एक प्रकार का रोग।

**परिसांत्वन पुं.** (तत्.) ढाढ़स बँधाना, तसल्ली देना, सांत्वन देना।

**परिसार पुं.** (तत्.) घूमना, परिसरण करना।

**परिसारक पुं.** (तत्.) चलने वाला, घूमने वाला, भटकने वाला, बहने वाला।

**परिसीमा स्त्री.** (तत्.) 1. चारों ओर की सीमा, चारों ओर की हद 2. सीमा, हद, समय की सीमा, मर्यादा की अंतिम रेखा।

**परिसून पुं.** (तत्.) 1. बूचड़खाने के सामने या बाहर मरा हुआ पशु।

**परिसृप्त पुं.** (तत्.) लड़ाई से भागा हुआ, पलायन किया हुआ व्यक्ति या सैनिक।

**परिसेवा स्त्री.** (तत्.) विशेष रूप से की गई सेवा।

**परिस्कंद पुं.** (तत्.) दूसरों के द्वारा पालित, माता-पिता के अतिरिक्त किसी अन्य द्वारा पाला-पोसा गया।

**परिस्कंध वि./पुं.** (तत्.) राशि, समूह।

**परिस्कन्न पुं.** (तत्.) दे. परिष्करण।

**परिस्तर पुं.** (तत्.) दे. परिस्तरण।

**परिस्तरण पुं.** (तत्.) 1. छितराना, फैकना या डालना 2. फैलाना, तानना 3. लपेटना, आवृत्त करना, ढकना।

**परिस्तान पुं.** (फा.) 1. ऐसा काल्पनिक स्थान जहाँ परियों का वास हो 2. ऐसा स्थान जहाँ सुंदर स्त्रियाँ और सुंदर पुरुष रहते हों।

**परिस्थान पुं.** (तत्.) 1. गृह, आलय 2. दृढ़ता, स्थिरता 3. ठोसपन, मजबूती।

**परिस्थिति स्त्री.** (तत्.) स्थिति, अवस्था, हालत।

**परिस्पंद पुं.** (तत्.) 1. काँपने का भाव, कँपकँपी 2. मर्दन करना, दबाना 3. शृंगार, सज्जा, पुष्पादि

से सजावट 4. परिजन, परिवार 5. सेवक, अनुचर, अनुगामी 6. नदी 8. द्वीप, टापू दे. परिषद

**परिस्पंदन पुं.** (तत्.) 1. अत्यधिक हिलना 2. काँपना।

**परिस्पद्धा स्त्री.** (तत्.) 1. दे. प्रतिस्पद्धा 2. धन, बल या यश में किसी की बराबरी करने की इच्छा 3. प्रतियोगिता भाव।

**परिस्पद्धी वि.** (तत्.) प्रतिस्पद्धा करने वाला, प्रतियोगी भाव रखने वाला।

**परिस्पद्धा स्त्री.** (तत्.) दे. परिस्पद्धा।

**परिस्फुट वि.** (तत्.) 1. सुस्पष्ट, स्पष्टतः व्यक्त 2. पूर्णतः विकसित, सम्यक् रीति से विकसित, प्रकाशित, खिला हुआ पुं. 3. नृत्य का एक भेद।

**परिस्फुरण पुं.** (तत्.) 1. कंपन, हिलना, काँपना 2. पौधों का कलिका युक्त होना, कली निकलना 3. अचानक कुछ सूझना, एकाएक कौंधना।

**परिस्फूर्ति स्त्री.** (तत्.) 1. स्पष्टता 2. चमक।

**परिस्मापन पुं.** (तत्.) 1. आश्चर्य, विस्मय, कौतुहल पैदा करने का भाव, चकित करना, आश्चर्य में डालना।

**परिस्स्यंद पुं.** (तत्.) 1. झरना, क्षरण, रिसना, चूना जैसे- हाथी की सूंड से मद जल झरना, पुष्पों से पराग झरना 2. दे. परिषंद।

**परिस्सव पुं.** (तत्.) 1. टपकना, चूना, चारों ओर से बहना 2. धीरे-धीरे बहना, मंद प्रवाह 3. गर्भ से शिशु का बाहर आना, गर्भ का बाहर आना।

**परिस्साव पुं.** (तत्.) 1. सुश्रुत के अनुसार एक ऐसा रोग जिसमें पित्त एवं कफ मिश्रित पतला मल गुदा से निकलता रहता है 2. चूना, बहना, टपकना।

**परिस्सावण पुं.** (तत्.) ऐसा बर्तन जिसमें से पानी टपका-टपका कर साफ किया जाता है जैसे- बर्तन साफ करना।

**परिस्सावी वि.** (तत्.) टपकने वाला, चूने या रिसने वाला, सावशील पुं. एक प्रकार का भगंदर होना।

**परिसृत वि.** (तत्.) 1. सावयुक्त, जिसमें कुछ टपक या चू रहा हो जैसे- सावयुक्त दही, निचोड़ा हुआ